आलेखों के लिए दिशा – निर्देश

i. पृष्ठ ले आउट : लेख A4 आकार के पन्नों में 1 इंच हाशिये के साथ
Page layout : Article in A4 Page with I inch margin

ii. फ़ॉन्ट का प्रकार एवं आकार : यूनिकोड मंगल
Type and size of font : Unicode Mangal

- मुख्य शीर्षक मोटे अक्षरों में फ़ॉन्ट आकार : 16
  Main title font size 16, bold
- उप-शीर्षक मोटे अक्षरों में फ़ॉन्ट आकार : 14
  Sub-titles font size 14, bold
- शेष सामग्री सिंगल स्पेसिंग फ़ॉन्ट आकार : 12
  Remaining matter single spacing, font size

iii. लेख का प्रारूप : टंकित
Format of article : Typed

iv. पृष्ठों की संख्या : चित्र सहित अधिकतम 08 पृष्ठ
No. of pages : Maximum of 08 pages including figures

v. शीर्षक, लेखक के नाम एवं पदनाम तथा सारांश द्विभाषी रूप में दिए जाएं
Title, name & designation of the author and abstract may be given in bilingual.

आलेख प्रस्तुती के संबंध में महत्वपूर्ण सूचनाएं

लेखकों से अनुरोध है कि वे संगोष्ठी के विषय पर हिंदी में लिखे अपने आलेख निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार **सबमिशन पोर्टल https://www.iist.ac.in/oasp** के माध्यम से प्रस्तुत करने की कृपा करें । लेखक इस आशय की घोषणा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करेंगे कि आलेख मूल रूप से उन्हीं के द्वारा लिखित है तथा इसे कहीं और प्रकाशित अथवा प्रस्तुत नहीं किया गया है। लेखक एवं सह लेखक को आलेख के साथ अपना डिजिटल फोटोग्राफ तथा लगभग 50 शब्दों का संक्षिप्त विवरण (हिंदी में) भी उपलब्ध कराना होगा । संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण के लिए स्वीकृत तथा प्रस्तुत किए जाने वाले लेखों को ₹3000 /- का नकद पुरस्कार दिया जाएगा । प्रत्येक सत्र के उत्कृष्टतम आलेख को प्रोत्साहन स्वरूप स्मृति चिह्न प्रदान किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

सबमिशन पोर्टल खुलने की तिथि	: 20 अगस्त, 2026
लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि	: 18 सितंबर, 2026
लेख की स्वीकृति / अस्वीकृति सूचित करने की तिथि	: 25 सितंबर, 2026
संशोधित लेख भेजने की अंतिम तिथि	: 30 सितंबर, 2026
संगोष्ठी की तिथि	: 02-03, नवंबर 2026

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें

श्रीमती सिमी असफ़
सहायक निदेशक (रा. भा.)
भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी)
वलियमला, तिरुवनंतपुरम
दूरभाष : 0471 -2568496 / 2568604
ई मेल – cimyasaf@iist.ac.in

भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
Indian Institute of Space Science and Technology

(वि.अ.आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन मानित विश्वविद्यालय घोषित)
(Deemed to be University under Section 3 of the UGC Act 1956)

वलियमला, तिरुवनंतपुरम, केरल
Valiamala, Thiruvananthapuram, Kerala

पूल स्तरीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी - 2026

02-03, नवंबर 2026

विषय

अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य:
चुनौतियाँ, नवाचार और अवसर

Future of Space Explorations:
Challenges, Innovations, and Opportunities

आई आई एस टी : एक परिचय

केरल के तिरुवनंतपुरम में वर्ष 2007 में स्थापित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) वि. अ. आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित है, जो भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के तहत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्यरत है। यह देश का ऐसा प्रथम संस्थान है जो अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में विशेष रूप से ध्यान देकर स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरल एवं पोस्ट डॉक्टरल स्तर पर उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करता है। आईआईएसटी को नैक द्वारा सर्वोच्च ग्रेड A++ प्रदान किया गया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता हमारे संस्थान को भारत के श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों की श्रेणी में रखती है। संस्थान ने अपने उत्कृष्ट अनुसंधान, नवाचार और अंतरिक्ष मिशनों में योगदान के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। यह उपलब्धि न केवल संस्थान की शैक्षिक गुणवत्ता का प्रमाण है, बल्कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा में इसके अमूल्य योगदान को भी रेखांकित करती है।

हिंदी तकनीकी संगोष्ठी - 2026

सरकारी काम में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर हिंदी में लेखन कार्य को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से तथा अंतरिक्ष विभाग /इसरो द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार, हर साल हिंदी तकनीकी संगोष्ठियों का आयोजन पूलिंग के आधार पर अंतरिक्ष विभाग / इसरो के विभिन्न केंद्रों / यूनिटों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। आईआईएसटी, वीएसएससी, एलपीएससी, आईपीआरसी, आईआईएसयू एवं एपीईपी को एक ग्रुप (पूल बी) में शामिल किया गया है और प्रत्येक केंद्र / यूनिट को बारी-बारी से संगोष्ठी आयोजित करनी है। इस वर्ष आईआईएसटी, वलियमला **नवंबर, 02 - 03, 2026** के दौरान हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

हिंदी तकनीकी संगोष्ठी का विषय है -

अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य: चुनौतियाँ, नवाचार और अवसर

Future of Space Explorations: Challenges, Innovations, and Opportunities

पूल 'बी' के केंद्रों एवं यूनिटों (वीएसएससी, एलपीएससी, आईपीआरसी, आईआईएसयू, एपीईपी एवं आईआईएसटी) में कार्यरत कर्मचारियों से आलेख आमंत्रित किए जा रहे हैं।

उपर्युक्त विषय के अंतर्गत उप – विषयों को सम्मिलित करते हुए लेख प्रस्तुत किया जा सकता है

1. पृथ्वी एवं ब्रह्मांड से परे / Beyond Earth and Universe
2. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां और मानव अंतरिक्ष उड़ान
   Space Technologies and Human spaceflight
3. उभरती और भविष्य की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां
   Emerging and Future Space Technologies
4. वर्तमान एवं भावी अंतरिक्ष नोदन प्रणालियाँ
   Present and Future Space Propulsion Systems
5. अगली पीढ़ी के प्रमोचन यान एवं प्रौद्योगिकियाँ
   Space crafts and Next-Generation Launch Vehicles and Technologies
6. भावी अंतरिक्ष अन्वेषण / Future Space Explorations
7. वर्तमान एवं भावी रॉकेट तथा संबद्ध प्रौद्योगिकियाँ
   Present and forthcoming Rockets and associated Technologies
8. अंतरिक्ष मलबा, सुस्थिरता एवं भावी उपनिवेशीकरण
   Space Debris, Sustainability and future Colonization
9. अंतरिक्ष ऊर्जा प्रणालियाँ / Space Power Systems
10. सौरमंडलीय एवं गहन अंतरिक्ष अन्वेषण हेतु भावी भारतीय अंतरिक्ष अभियान
    Future Indian Space Missions for Heliospheric and Deep-Space Exploration

आशा है कि संगोष्ठी के दौरान इस विषय पर सार्थक चर्चा होगी जिससे आम लोग व हमारे सदस्य गण लाभान्वित होंगे।

प्रोफ. कुरुविळा जोसफ़
सम–कुलपति एवं कुलसचिव, आईआईएसटी
अध्यक्ष, आयोजन समिति, हिंदी तकनीकी संगोष्ठी - 2026